

古代诗词曲名篇选编

宋词三百首

朱孝臧 编选
孙育华 译解



北京燕山出版社

图书在版编目(CIP)数据

古代诗词曲名篇选编/孙育华等编著. —北京: 北京燕山出版社, 2005. 1

(宋词三百首/孙育华 译解)

ISBN 7 - 5402 - 1668 - 9

I . 古… II . 孙… III . ①唐诗 – 选集②宋词 – 选集
③元曲 – 选集 IV . I222

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2004) 第 140558 号

责任编辑: 里 功

北京燕山出版社出版发行

北京市东城区灯市口大街 100 号 100006

新华书店经销

北京业和印务有限公司印刷

850 × 1168 毫米 32 开本 108.375 印张 2410 千字

2005 年 1 月北京第 1 版 2005 年 1 月北京第 1 次印刷

定价 (全套十册): 260.00 元

前言

词是宋代文学的代表文体，向与唐诗、元曲并称。作为一种诗歌样式，词产生于隋唐的曲子词，既与当时特定的社会生活有关，更与当时的音乐“新声”有关。隋朝的建立结束了魏晋南北朝三百多年分裂的局面，促进了经济的发展，文化的南北交流。当时兴起的“新声”便是以民间音乐为主融合少数民族和外来音乐形成的一种新兴的音乐，称为“曲子”，配合“曲子”用来演唱的歌辞就是“词”。词从民间产生，到初盛唐之交便步入文坛，有少数文人开始创作，到晚唐、五代走向成熟。宋词就是在这个基础上发展起来的。

词到宋代蔚为大观，《全宋词》收录的词人有一千三百三十多家，词作共一万九千九百余首。这两个数字就足以说明宋词繁荣的盛况。宋词的发展既有上述本身产生、发展、成熟的原因，即作为一种诗歌样式的内在艺术规律，也有特定的社会条件。北宋王朝结束了五代十国的走马灯式的纷争局面，统一了全国，为社会生产力的恢复、经济文化的繁荣发展提供了基础。农业、手工业的发展又促使商业经济趋向繁荣，城市也进一步发展起来。为了适应市民的文化需求，民间娱乐



宋词三百首

也十分活跃，勾栏瓦肆，茶坊酒楼，竞相演出杂技新声。在这种社会环境和风气下，词和新起的曲子不仅流行于民间，而且流行于上层，文人学士、达官贵人甚至帝王都喜欢，他们在休闲和宴会上就写作新词，让歌女演唱。

宋初的词承接五代、南唐遗风，以婉约为主，至范仲淹气象始大，因所作不多，未成风气；欧阳修和晏殊的小令虽有清新之气，也没有完全脱离五代、南唐的藩篱。这一时期开风气之先的有两大家：一是柳永，他创作的协合音律的“新词”，深受市民的欢迎，对词坛的影响很大，出现了一批兼擅小令、慢词的作家，如秦观、贺铸、周邦彦等。一是苏轼，他虽也接受了柳永的影响，但到底独辟蹊径，突破了艳词的局限，扩大了词的内容，形成了新的风格，开创了词的发展的新局面。如果说柳词代表的是所谓婉约词风，那苏轼开创的便是豪放旷达一派。

北宋灭亡后，随着宋室南渡，形成南宋和金国长期对峙的形势。在民族矛盾尖锐化的情况下，南宋初期出现了一批爱国词人和作品，他们多数继承豪放词风，抒发爱国忧民的思想感情，而辛弃疾综其成，他那慷慨国事、有志难伸的悲愤之情一发于词，成为豪放派的又一大家，与苏



轼并称“苏辛”。辛词的影响绵延直到南宋末年，陈亮、刘过、戴复古、刘克庄、刘辰翁和文天祥等人的词都可继其后劲，多感奋读者之作。南宋的词还有以姜夔为代表的“清空”一派，所谓“野云孤飞，去留无迹”。

此外尚有吴文英，词风工致丽密，自有其佳处，但雕琢过分，有些作品不免有堆砌、晦涩之嫌。

总之，有宋一代词学很盛，词作繁夥，流派纷呈，对于一般读者来说既不可能也无必要去全读遍观，因此经过专门家的品评抉择，编出一部适合广大读者需要的选本就是非常必要的。清末民初的词学家朱孝臧编选的《宋词三百首》就是适应这一需求出现的一个较好的宋词读本。

宋词的编选当然不是从朱孝臧开始的，即以清代来说，享誉当世、影响深远的就有朱彝尊的《词综》、张惠言的《词选》、周济的《宋四家词选》。这三种词选有一个共同的特点，都是为了宣传编选者的词学纲领、为一定的词派服务的。朱彝尊对词体推崇南宋，以为“词莫善于姜夔”，目的是为了建立浙西词派，因此他的选词标准是很不公正的。张惠言一反浙西词派的主张，强调比兴寄托，强调政治寓意，选词标准更加偏狭，对一些具体作品的评

价甚至穿凿附会。常州词派就是在《词选》的影响下产生的。至于周济只标举周邦彦、辛弃疾、王沂孙和吴文英四家，作为宋词的领袖，更是不能反映宋词发展的基本面貌。而朱孝臧本人作词虽然师宗常州词派的王鹏运，但不泥守门户，转益多师，胸襟气魄都是很大的。他的《濛村丛书》是最完备的词的总集，而且编选了《宋词三百首》，从普及的目标出发，广采博收，录两宋词人八十五家，重编本选词二百八十三首，宋词中的脍炙人口之作大体入选，基本上可以反映两宋词的发展历史。《宋词三百首》也无可避免地有它的缺陷，如把《忆王孙》的作者李重元误作李甲，又把无名氏的《青玉案》误作黄公绍所作。更重要的是没有收录朱敦儒、王观、朱淑贞、文天祥、汪元量的词，而柳永、苏轼、贺铸、张元干、陆游等人的个别名作未入选，未免让人有遗珠之憾。尽管如此，作为一种普及读本，成绩还是主要的。

我们这个本子用的是朱孝臧的重编本，录词二百八十三首，为了保持原编的面貌，未作改动，只是在词人的排列上把宋徽宗赵佶和女词人李清照作了调整。因为读者是青少年，所以译文用散文形式，更便于理清词章结构和说明一



些词句的隐含意义，同时对词牌和词中涉及的典故、制度、人地名、难懂的词语作了简注。另外，对一部分作品的句逗，我都对照词谱作了相应的调整。词本难读，译注者又缺乏专门研究，赖山西大学中文系李正民教授通阅全稿，附记以示谢忱。

孙育华

宋词三百首

目 录



宋词三百首

| | | |
|-----|-------|----|
| 前言 | | 1 |
| 木兰花 | 钱惟演 | 1 |
| 苏幕遮 | 范仲淹 | 2 |
| 御街行 | 范仲淹 | 4 |
| 千秋岁 | 张先 | 6 |
| 菩萨蛮 | 张先 | 7 |
| 醉垂鞭 | 张先 | 8 |
| 一丛花 | 张先 | 9 |
| 天仙子 | 张先 | 11 |
| 青门引 | 张先 | 13 |
| 浣溪沙 | 晏殊 | 14 |
| 浣溪沙 | 晏殊 | 15 |
| 清平乐 | 晏殊 | 16 |
| 清平乐 | 晏殊 | 17 |
| 木兰花 | 晏殊 | 18 |
| 木兰花 | 晏殊 | 19 |
| 木兰花 | 晏殊 | 20 |
| 踏莎行 | 晏殊 | 21 |
| 踏莎行 | 晏殊 | 22 |
| 蝶恋花 | 晏殊 | 23 |
| 凤箫吟 | 韩缜 | 24 |
| 木兰花 | 宋祁 | 26 |
| 采桑子 | 欧阳修 | 27 |
| 诉衷情 | 欧阳修 | 28 |

目 录

| | | |
|------|-----|----|
| 踏莎行 | 欧阳修 | 29 |
| 蝶恋花 | 欧阳修 | 31 |
| 蝶恋花 | 欧阳修 | 32 |
| 蝶恋花 | 欧阳修 | 33 |
| 木兰花 | 欧阳修 | 34 |
| 浪淘沙 | 欧阳修 | 35 |
| 青玉案 | 欧阳修 | 36 |
| 曲玉管 | 柳 永 | 37 |
| 雨霖铃 | 柳 永 | 39 |
| 蝶恋花 | 柳 永 | 41 |
| 采莲令 | 柳 永 | 42 |
| 浪淘沙慢 | 柳 永 | 44 |
| 定风波 | 柳 永 | 46 |
| 少年游 | 柳 永 | 48 |
| 戚 氏 | 柳 永 | 49 |
| 夜半乐 | 柳 永 | 52 |
| 玉胡蝶 | 柳 永 | 54 |
| 八声甘州 | 柳 永 | 56 |
| 迷神引 | 柳 永 | 58 |
| 竹马子 | 柳 永 | 60 |
| 桂枝香 | 王安石 | 62 |
| 千秋岁引 | 王安石 | 64 |
| 清平乐 | 王安国 | 66 |
| 临江仙 | 晏几道 | 67 |
| 蝶恋花 | 晏几道 | 68 |
| 蝶恋花 | 晏几道 | 69 |
| 鹧鸪天 | 晏几道 | 70 |

宋词三百首



| | | |
|-------|-----|-----|
| 生查子 | 晏几道 | 71 |
| 木兰花 | 晏几道 | 72 |
| 木兰花 | 晏几道 | 73 |
| 清平乐 | 晏几道 | 74 |
| 阮郎归 | 晏几道 | 75 |
| 阮郎归 | 晏几道 | 76 |
| 六么令 | 晏几道 | 78 |
| 御街行 | 晏几道 | 80 |
| 虞美人 | 晏几道 | 81 |
| 留春令 | 晏几道 | 82 |
| 思远人 | 晏几道 | 83 |
| 水调歌头 | 苏轼 | 84 |
| 水龙吟 | 苏轼 | 86 |
| 永遇乐 | 苏轼 | 88 |
| 洞仙歌 | 苏轼 | 90 |
| 卜算子 | 苏轼 | 92 |
| 青玉案 | 苏轼 | 94 |
| 临江仙 | 苏轼 | 96 |
| 定风波 | 苏轼 | 98 |
| 江城子 | 苏轼 | 100 |
| 贺新郎 | 苏轼 | 102 |
| 望海潮 | 秦观 | 104 |
| 八六子 | 秦观 | 106 |
| 满庭芳 | 秦观 | 108 |
| 满庭芳 | 秦观 | 110 |
| 减字木兰花 | 秦观 | 112 |
| 浣溪沙 | 秦观 | 113 |

目 录

| | | |
|-----|-----|-----|
| 阮郎归 | 秦 观 | 114 |
| 绿头鸭 | 晁端礼 | 116 |
| 蝶恋花 | 赵令畤 | 118 |
| 蝶恋花 | 赵令畤 | 119 |
| 清平乐 | 赵令畤 | 120 |
| 水龙吟 | 晁补之 | 121 |
| 忆少年 | 晁补之 | 123 |
| 洞仙歌 | 晁补之 | 124 |
| 临江仙 | 晁冲之 | 126 |
| 虞美人 | 舒 直 | 127 |
| 渔家傲 | 朱 服 | 128 |
| 惜分飞 | 毛 涣 | 129 |
| 菩萨蛮 | 陈 克 | 130 |
| 菩萨蛮 | 陈 克 | 131 |
| 洞仙歌 | 李元膺 | 132 |
| 青门饮 | 时 庾 | 134 |
| 谢池春 | 李之仪 | 136 |
| 卜算子 | 李之仪 | 138 |
| 瑞龙吟 | 周邦彦 | 139 |
| 风流子 | 周邦彦 | 141 |
| 兰陵王 | 周邦彦 | 143 |
| 琐窗寒 | 周邦彦 | 145 |
| 六 丑 | 周邦彦 | 147 |
| 夜飞鹊 | 周邦彦 | 149 |
| 满庭芳 | 周邦彦 | 151 |
| 过秦楼 | 周邦彦 | 153 |
| 花 犯 | 周邦彦 | 155 |

宋词三百首



| | | |
|------|-----|-----|
| 大 蘡 | 周邦彦 | 157 |
| 解语花 | 周邦彦 | 159 |
| 蝶恋花 | 周邦彦 | 161 |
| 解连环 | 周邦彦 | 163 |
| 拜星月慢 | 周邦彦 | 165 |
| 关河令 | 周邦彦 | 167 |
| 绮寮怨 | 周邦彦 | 168 |
| 尉迟杯 | 周邦彦 | 170 |
| 西 河 | 周邦彦 | 172 |
| 瑞鹤仙 | 周邦彦 | 174 |
| 浪淘沙慢 | 周邦彦 | 176 |
| 应天长 | 周邦彦 | 178 |
| 夜游宫 | 周邦彦 | 180 |
| 青玉案 | 贺 铸 | 181 |
| 感皇恩 | 贺 铸 | 183 |
| 薄 幸 | 贺 铸 | 185 |
| 浣溪沙 | 贺 铸 | 187 |
| 浣溪沙 | 贺 铸 | 188 |
| 石州慢 | 贺 铸 | 189 |
| 蝶恋花 | 贺 铸 | 191 |
| 天门谣 | 贺 铸 | 192 |
| 天 香 | 贺 铸 | 194 |
| 望湘人 | 贺 铸 | 196 |
| 绿头鸭 | 贺 铸 | 198 |
| 宴山亭 | 赵 信 | 200 |
| 石州慢 | 张元干 | 202 |
| 兰陵王 | 张元干 | 204 |

目 录

| | | | |
|---------|------|-----|-----|
| 贺新郎 | 叶梦得 | 206 | |
| 虞美人 | 叶梦得 | 208 | |
| 凤凰台上忆吹箫 | 李清照 | 209 | |
| 醉花阴 | 李清照 | 212 | |
| 声声慢 | 李清照 | 213 | |
| 念奴娇 | 李清照 | 215 | |
| 永遇乐 | 李清照 | 217 | |
| 点绛唇 | 汪藻 | 219 | |
| 喜迁莺 | 刘一止 | 220 | |
| 高阳台 | 韩疁 | 222 | |
| 汉宫春 | 李邴 | 224 | |
| 临江仙 | 陈与义 | 226 | |
| 临江仙 | 陈与义 | 228 | |
| 苏武慢 | 蔡伸 | 230 | |
| 柳梢青 | 蔡伸 | 232 | |
| 鹧鸪天 | 周紫芝 | 233 | |
| 踏莎行 | 周紫芝 | 234 | |
| 帝台春 | 李甲 | 235 | |
| 忆王孙 | 李重元 | 237 | |
| 三台 | 万俟咏 | 238 | |
| 二郎神 | 徐伸 | 241 | |
| | 江神子慢 | 田为 | 243 |
| | 蓦山溪 | 曹组 | 245 |
| | 贺新郎 | 李玉 | 247 |
| | 烛影摇红 | 廖世美 | 249 |
| | 薄幸 | 吕滨老 | 251 |
| | 南浦 | 鲁逸仲 | 253 |



宋词三百首



| | | |
|------|-----|-----|
| 满江红 | 岳 飞 | 255 |
| 烛影摇红 | 张 抢 | 257 |
| 水龙吟 | 程 塏 | 259 |
| 六州歌头 | 张孝祥 | 261 |
| 念奴娇 | 张孝祥 | 263 |
| 六州歌头 | 韩元吉 | 265 |
| 好事近 | 韩元吉 | 267 |
| 瑞鹤仙 | 袁去华 | 269 |
| 剑器近 | 袁去华 | 271 |
| 安公子 | 袁去华 | 273 |
| 瑞鹤仙 | 陆 淦 | 275 |
| 卜算子 | 陆 游 | 277 |
| 水龙吟 | 陈 亮 | 278 |
| 忆秦娥 | 范成大 | 280 |
| 眼儿媚 | 范成大 | 281 |
| 霜天晓角 | 范成大 | 283 |
| 贺新郎 | 辛弃疾 | 284 |
| 念奴娇 | 辛弃疾 | 287 |
| 汉宫春 | 辛弃疾 | 289 |
| 贺新郎 | 辛弃疾 | 291 |
| 水龙吟 | 辛弃疾 | 293 |
| 摸鱼儿 | 辛弃疾 | 296 |
| 永遇乐 | 辛弃疾 | 298 |
| 木兰花慢 | 辛弃疾 | 301 |
| 祝英台近 | 辛弃疾 | 303 |
| 青玉案 | 辛弃疾 | 305 |
| 鹧鸪天 | 辛弃疾 | 307 |

目 录

| | | |
|--------|-----|-----|
| 菩萨蛮 | 辛弃疾 | 309 |
| 点绛唇 | 姜夔 | 311 |
| 鵞鶴天 | 姜夔 | 313 |
| 踏莎行 | 姜夔 | 315 |
| 庆宫春 | 姜夔 | 317 |
| 齐天乐 | 姜夔 | 320 |
| 琵琶仙 | 姜夔 | 322 |
| 八 归 | 姜夔 | 324 |
| 念奴娇 | 姜夔 | 326 |
| 扬州慢 | 姜夔 | 328 |
| 长亭怨慢 | 姜夔 | 330 |
| 淡黄柳 | 姜夔 | 332 |
| 暗 香 | 姜夔 | 334 |
| 疏 影 | 姜夔 | 336 |
| 翠楼吟 | 姜夔 | 338 |
| 杏花天 | 姜夔 | 340 |
| 一萼红 | 姜夔 | 342 |
| 霓裳中序第一 | 姜夔 | 344 |
| 小重山 | 章良能 | 346 |
| 唐多令 | 刘过 | 347 |
| 木兰花 | 严 仁 | 349 |
| 风入松 | 俞国宝 | 350 |
| 满庭芳 | 张 錡 | 351 |
| 宴山亭 | 张 錡 | 353 |
| 绮罗香 | 史达祖 | 355 |
| 双双燕 | 史达祖 | 357 |
| 东风第一枝 | 史达祖 | 359 |



宋词三百首

| | | |
|------|-----|-----|
| 喜迁莺 | 史达祖 | 361 |
| 三姝媚 | 史达祖 | 363 |
| 秋 霽 | 史达祖 | 365 |
| 夜合花 | 史达祖 | 367 |
| 玉胡蝶 | 史达祖 | 369 |
| 八 归 | 史达祖 | 371 |
| 生查子 | 刘克庄 | 373 |
| 贺新郎 | 刘克庄 | 374 |
| 贺新郎 | 刘克庄 | 376 |
| 木兰花 | 刘克庄 | 378 |
| 江城子 | 卢祖皋 | 380 |
| 宴清都 | 卢祖皋 | 381 |
| 南乡子 | 潘 嬷 | 383 |
| 瑞鹤仙 | 陆 熏 | 384 |
| 渡江云 | 吴文英 | 386 |
| 夜合花 | 吴文英 | 388 |
| 霜叶飞 | 吴文英 | 390 |
| 宴清都 | 吴文英 | 392 |
| 齐天乐 | 吴文英 | 394 |
| 花 犯 | 吴文英 | 396 |
| 浣溪沙 | 吴文英 | 398 |
| 浣溪沙 | 吴文英 | 399 |
| 点绛唇 | 吴文英 | 400 |
| 祝英台近 | 吴文英 | 401 |
| 祝英台近 | 吴文英 | 402 |
| 澡兰香 | 吴文英 | 404 |
| 风入松 | 吴文英 | 406 |



目 录

| | | |
|------|-----|-----|
| 莺啼序 | 吴文英 | 407 |
| 惜黄花慢 | 吴文英 | 410 |
| 高阳台 | 吴文英 | 412 |
| 高阳台 | 吴文英 | 414 |
| 三姝媚 | 吴文英 | 416 |
| 八声甘州 | 吴文英 | 418 |
| 踏莎行 | 吴文英 | 420 |
| 瑞鹤仙 | 吴文英 | 421 |
| 鹊鸿天 | 吴文英 | 423 |
| 夜游宫 | 吴文英 | 424 |
| 贺新郎 | 吴文英 | 425 |
| 唐多令 | 吴文英 | 427 |
| 湘春夜月 | 黄孝远 | 428 |
| 大有 | 潘希白 | 430 |
| 青玉案 | 黄公绍 | 432 |
| 摸鱼儿 | 朱嗣发 | 433 |
| 兰陵王 | 刘辰翁 | 435 |
| 宝鼎现 | 刘辰翁 | 437 |
| 永遇乐 | 刘辰翁 | 439 |
| 摸鱼儿 | 刘辰翁 | 441 |
| 高阳台 | 周密 | 443 |
| 瑶华 | 周密 | 445 |
| 玉京秋 | 周密 | 447 |
| 曲游春 | 周密 | 449 |
| 花犯 | 周密 | 451 |
| 瑞鹤仙 | 蒋捷 | 453 |
| 贺新郎 | 蒋捷 | 455 |